

२०/३/२५ पत्तावली पेना हुई। वादी अनुपास्थित। रक्त-रक्त
कर तीन बार आवाले दिलवारी गरि। खरम खोन ५१५
हो पुमा हें। अतः वादी के अनुपास्थित रहे पर वादी
का वाप अरम हाजरी। अरम पेन्ती में खारिण फिना
जाता हें। पत्तावली फेखल शुमार हीमल खरल से
रहती।

विर्णन सुगला २१५।

